Title: Demanded the Finance Minister's statement regarding devaluation of the rupee.

SHRI SURESH KURUP (KOTTAYAM): Sir, for the last three weeks, there is constant fluctuation in the value of the rupee. It has been continuously falling down against the dollar and has touched an all-time low. In spite of the reported measures taken by the Reserve Bank of India, there is widespread apprehension that the trend may continue. This is going to create large scale inflation. The Government seems to believe that this fluctuation regarding the down-sliding of the rupee is good for the economy. Till this moment, the Government has not come before the House and made a statement. I think every section of the House will agree with me that the Finance Minister should come before the House and make a statement today itself as to what measures he has taken regarding this issue. The Minister for Parliamentary Affairs should respond to this point. This is a very serious matter. The sliding-down has been continuing for the last three weeks. ...(*Interruptions*) Sir, kindly direct the Minister to make a statement on this subject.

श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली ्सदर) : उपाध्यक्ष महोद्य, मैं चाहूंगा कि ्भारती्य रुप्ये की रिकार्ड तो्ड़ गिरती कीमतों के ्बारे में माननी्य ्वित्त मंत्री जी हाउ्स में आकर ्ब्यान दे। चूंकि पिछले कुछ ्सम्य ्से ्भारती्य रुप्ये की कीमत में डालर के मुका्बले जो रिकार्ड तो्ड़ गिरा्वट आई है, उ्सके परिणाम्स्वरूप ्भारती्य उद्योग जगत में इस ्सम्य हंगामा मचा हुआ है, उद्यमी अपने ्भ्वि्य को लेकर परे्शान हैं। पिछले ्वित्ती्य ्वर्ा में ्यह गिरा्वट 2.77 प्रति्शत थी, ज्बकि इ्स ्साल अप्रैल ्से अग्स्त में ही रुप्ये का मू्ल्य गिरकर 5.20 प्रति्शत हो चुका है। मुद्रा के ्बाजार में डालर खरीदने ्वालों की ्भी्ड़ लगी है। ्यह आम अफ्वाह है कि कुछ औद्योगिक घरानों ने फॉर्वर्ड एक््सपोजर ल्या है। अर्थात मुद्रा ्बाजार में ्सट्टेबाजी हो रही है। मुद्रा ्बाजार में रुप्ये की गिरा्वट ्से फॉरेन एक््सचेंज रिज़र्व गिर रहा है। हमारा ्बैलेन्स ऑफ पेमेन्ट प्रतिकूल होता जा रहा है तथा ्विदे्शी ऋण ्स्वयं ही ्बढ़ रहा है। ्भारती्य उद्योग में कच्चा माल टैक्नोलोजी ्बाहर ्से आ्यात होने के कारण महंगा हो रहा है। कुल मिलाकर अर्थ्व्य्वस्था मुद्रा्स्फीति के द्वा्ब में आ गई है। मुद्रा और इ्सकी ्विनिम्य दर को नि्यंत्रित करने का काम आर्.बी.आई. का है। इसलिए हमारा आग्रह है कि ्सरकार इसमें तुरंत ह्स्तक्षेप करे तथा केन्द्री्य ्वित्त मंत्री इ्स ्संबंध में ्सदन में आकर अपना ्वक्तव्य दें, ्यही हमारा नि्वेदन है।â€¦(व्यवधान) उपाध्यक्ष महोद्य, पार्ल्यामेन्ट्री अफे्य्र्स मिनि्स्टर ्यहां ्बैठे हुए हैं, ्यह ्बहुत ग्ंभीर मामला है ्वह इ्स पर कुछ रि्स्पां्स करें।

SHRI SURESH KURUP : Sir, a very important issue has been raised. The Minister should make a response on this matter.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Minister, do you want to respond?

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: He is not ready to respond to your point.